Seventeenth Loksabha

>

Title: Motion for consideration of the Rashtriya Raksha University Bill, 2020 (Motion adopted and Bill passed).

माननीय अध्यक्ष: आइटम नंबर – 18**,** राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक, 2020

माननीय मंत्री जी**,** आप बोलिए ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI G. KISHAN REDDY): Sir, on behalf of hon. Home Minister, Shri Amit Shah *ji,* I beg to move*:

"That the Bill to establish and declare an institution to be known as the Rashtriya Raksha University as an institution of national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith or incidental thereto, be taken into consideration."

माननीय अध्यक्ष: क्या इस बिल पर कोई माननीय सदस्य क्वैरी करना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ**:**

"कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के रूप में ज्ञात संस्था को राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में स्थापित और घोषित करने के लिए तथा उसके निगमन और उससे संबद्ध या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए ।"

SHRI SUNIL DATTATRAY TATKARE (RAIGAD): Mr. Speaker, Sir, after the 26/11 terrorist attack on Mumbai, the Maharashtra Government has taken precautionary measures for coastal security. Under the *Rashtriya Raksha* University, would the Central Government sanction funds for instrumentation research, studying police science including coastal policing, cybersecurity, and establishing and maintaining college and prescribing courses, holding exams, and granting the degree college in my Raigad district, which is located in a coastal area. I would request the Minister to kindly sanction the above.

SHRI ABDUL KHALEQUE (BARPETA): Sir, I have two observations to point out. First, the passage of the Bill upgrades the existing Raksha University under the Government of Gujarat which was established in 2009 and second, it is only converting a State university into a Central University.

I do not see any reason why the Government is in a hurry to upgrade a State university which is only a decade old whereas so many State institutions of higher education across the country are demanding upgradation. There are so many autonomous and Central Government institutes of higher education. One of the recent additions in 2018 was National Rail And Transportation Institute in

Vadodara. Why is the Government only considering to establish premier institutions in Gujarat alone? There are so many States with lesser number of higher educational institutes. We cannot put everything into one basket. There is a need to create a balance all over the country as far as education is concerned. Establishing such institutes also leads to development of that particular area. I can understand that Gujarat is the home State of Modi ji and Amit Shah ji, but there are other States too. As one of the representatives of the people of North-East, I hereby demand the establishment of a campus of the university in Assam.

I have no reason to hide the fact that the very name 'Rashtriya Raksha University' is a bit deceiving. The Rashtriya Raksha University is proposed to be a multi-disciplinary university to create new knowledge through research and collaboration with different stakeholders and help to fulfil the need for a pool of trained professionals with specialised knowledge and new skill sets in various wings of policing, criminal justice system, and correctional administration. The university will have a linkage with world class universities in other countries which will be on need basis for the purpose of exchange of contemporary research, academic collaboration, course design, technical knowhow, training, and skill development.

SHRI POCHA BRAHMANANDA REDDY (NANDYAL): Sir, this Bill seeks to provide for the establishment of the Rashtriya Raksha University and declares the University to be an institution of national importance. The Bill also repeals the 2009 Act. Our Party welcomes this initiative.

There is an urgent need for institutions to provide police and security services with the necessary academic knowledge, professional skills, and community orientation. At present, there are only a few institutions in the country which provide the environment, infrastructure and specialisation for imparting education in police sciences.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपने समर्थन कर दिया है ।

SHRI POCHA BRAHMANANDA REDDY: Yes, Sir. I hope that this University will have a linkage with the world class universities in the other countries which will be on need basis for the purpose of exchange of contemporary research, academic collaboration, course design, technical know-how, training and skill development.

With these words, I support the Bill and congratulate the hon. Home Minister for introducing this Bill.

कर्नल (सेवानिवृत) राज्यवर्धन राठौर (जयपुर ग्रामीण): सर, मैं राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बोल रहा हूं । चोर-पुलिस की जो लड़ाई है, यह सदियों से चलती आयी है, लेकिन अपराधी टेक्नोलॉजी के माध्यम से अपराधी से जुड़ता जा रहा है । संक्षिप्त में मैं एक फारसी का शेर कहना चाहता हूं- "कुनद हम जिन्स बा, हम जिन्स परवाज़" यानी जो एक सोच के व्यक्ति होते हैं, वे अक्सर एक साथ रहते हैं ।

"कुनद हम जिन्स बा हम जिन्स परवाज़

कबूतर बा कबूतर बाज़ बा बाज़"

प्रधान मंत्री मोदी जी जो सदैव सजग, सदैव सतर्क और सदैव संरक्षक के रूप में रहते हैं तो उनकी पुलिस भी सजग, सतर्क और संरक्षक के रूप में रहती है और यह जरूरी है । उन्होंने वर्ष 2009 में जो राष्ट्रीय शक्ति यूनिवर्सिटी गुजरात में शुरू की, उसके 14 स्कूल्स थे । मैं उन 14 स्कूल्स का अभी नाम नहीं लूंगा लेकिन पूरा स्कोप कवर करते गए । अब जरूरी है कि उसको राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाया जाए ताकि हर पुलिस के सेक्टर में रिसर्च हो सके । अलग-अलग क्षेत्रों में पुलिस जो नई तकनीकों का यूज़ कर रही है, उस तकनीक का फायदा पूरे देश की पुलिस को हो और हम एक नेट एक्सपोर्टर ऑफ नॉलेज बनें । आज हम दुनिया से इनफोर्मेशन ले रहे हैं । हम नेट एक्सपोर्टर ऑफ नॉलेज बनें, यह काबिलियत भारत में है । भारत की जो पुलिस है, न केवल कोविड के समय में, बल्कि त्यौहारों के समय में पूरी सतर्कता

और तैनाती से काम करती रही है । कुम्भ का मेला हो या क्रिकेट का मैच हो, वे पूरी सुरक्षा को बरकरार रखते हैं । मुझे दुनिया के अन्य देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जाने का अवसर भी मिला है । जब हम बंदूक लेकर चलते थे तो हमारी दूसरे देशों की पुलिस से बातचीत होती थी । मैं गर्व से कह सकता हूं कि पूरी दुनिया में भारत की पुलिस का नंबर अव्वल आएगा और हमें उसे कायम रखना है और उसे और मजबूत करना है । मैं प्रधान मंत्री मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह जी को धन्यवाद देता हूं कि वे राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी को इंटरनेशनल स्टेंडर्ड तक लेकर जा रहे हैं और उसे एक नेशनल इम्पोर्टेंस की यूनिवर्सिटी बना रहे हैं । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

"कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के रूप में ज्ञात संस्था को राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में स्थापित और घोषित करने के लिए तथा उसके निगमन और उससे संबद्ध या आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष : अब सभा विधेयक पर खंडवार विचार करेगी ।

खंड 2 और 3

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

"कि खंड 2 और 3 विधेयक का अंग बनें ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 2 और 3 विधेयक में जोड़ दिए गए ।

खंड 4 विश्वविद्यालय की स्थापना और निगमन

माननीय अध्यक्ष: प्रो. सौगत राय – उपस्थित नहीं ।

प्रश्न यह है :

"कि खंड 4 विधेयक का अंग बने ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 4 विधेयक में जोड़ दिया गया ।

खंड 5 से 9

माननीय अध्यक्ष: प्रो. सौगत राय – अनुपस्थित

प्रश्न यह है :

"कि खंड 5 से 9 विधेयक का अंग बनें ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 5 से 9 विधेयक में जोड़ दिए गए ।

खंड 10 से 12

माननीय अध्यक्ष: श्री रितेश पाण्डेय, क्या आप संशोधन संख्या 5 प्रस्तुत करना चाहते हैं?

SHRI RITESH PANDEY (AMBEDKAR NAGAR): Sir, I beg to move:

Page 6, line 3, -

for “Central Government”

substitute “Academic Council”. (5)

माननीय अध्यक्ष: अब मैं श्री रितेश पाण्डेय द्वारा खंड 10 में प्रस्तुत संशोधन संख्या 5 को सभा के समक्ष मतदान के लिए रखता हूं ।

संशोधन मतदान के लिए रखा गया तथा अस्वीकृत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

“कि खंड 10 विधेयक का अंग बने ।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 10 विधेयक में जोड़ दिया गया ।

खंड 11 और 12 विधेयक में जोड़ दिए गए ।

खंड 13 से 29

माननीय अध्यक्ष: प्रो. सौगत राय – अनुपस्थित

प्रश्न यह है :

"कि खंड 13 से 29 विधेयक का अंग बनें ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 13 से 29 विधेयक में जोड़ दिए गए ।

खंड 30 विश्वविद्यालय निधि संग्रह

माननीय अध्यक्ष: प्रो. सौगत राय – अनुपस्थित

प्रश्न यह है :

"कि खंड 30 विधेयक का अंग बने ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 30 विधेयक में जोड़ दिया गया ।

खण्ड 31 निधि

माननीय अध्यक्ष: श्री रितेश पाण्डेय, क्या आप संशोधन संख्या 9 प्रस्तुत करना चाहते हैं?

SHRI RITESH PANDEY : Sir, I beg to move:

Page 10, line 18, -

for "Central Government"

substitute "Executive Council and Finance Committee". (9)

माननीय अध्यक्ष: अब मैं श्री रितेश पाण्डेय द्वारा खंड 31 में प्रस्तुत संशोधन संख्या 9 को सभा के समक्ष मतदान के लिए रखता हूं ।

संशोधन मतदान के लिए रखा गया तथा अस्वीकृत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

"कि खंड 31 विधेयक का अंग बने ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

खंड 31 विधेयक में जोड़ दिया गया ।

खंड 32 से 53 विधेयक में जोड़ दिए गए ।

खंड 1, अधिनियमन सूत्र और विधेयक का पूरा नाम विधेयक में जोड़ दिए गए ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, अब आप प्रस्ताव करें कि विधेयक पारित किया जाए ।

SHRI G. KISHAN REDDY : Sir, I beg to move:

"That the Bill be passed."

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

"कि विधेयक पारित किया जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

____

21.50 hrs

STATUTORY RESOLUTION RE: DISAPPROVAL OF

SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS

(AMENDMENT) ORDINANCE, 2020 - Negatived

AND

SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS

(AMENDMENT) BILL, 2020

As Passed by Rajya Sabha